Dist. Parbhani

निराला और पंत के काव्य का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. वनिता बाबुराव कुलकर्णी

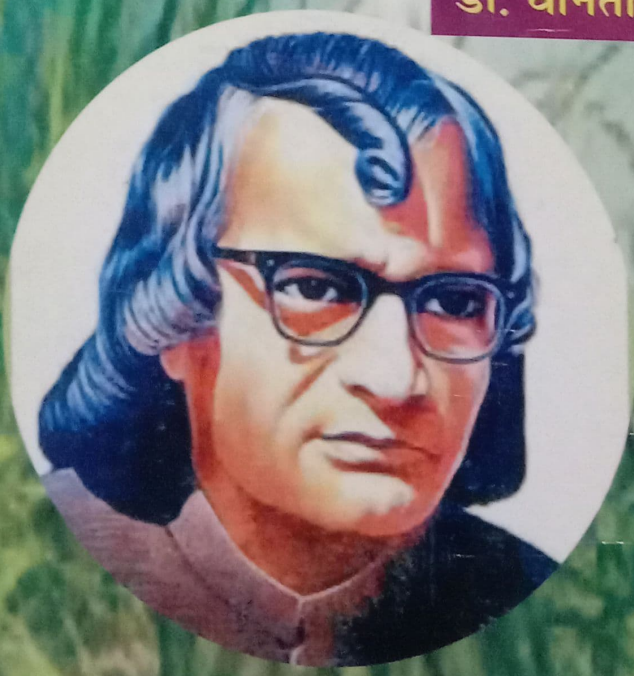

निराला और पंत के काव्य का तुलनात्मक अध्ययन

Late Ramesh Warpudkar (ACS) College, Sonpeth Dist. Parbhani

लेखिका

डॉ. वनिता बाबुराव कुलकर्णी

PRINCIPAL
Late Ramesh Warpudkar (ACS)
College, Sonpeth Dist. Parbhani

श्रीराम प्रकाशन

कानपुर-208022

में प्रकृति चित्रण पर विचार किया गया है। दोनों ने अपने काव्य में प्रकृति को विशिष्ट स्थान दिया है। इस अध्याय में एकाधिक दृष्टियों से निराला और पंत के प्रकृति चित्रण, सौन्दर्यानुभूति का आंकलन किया गया है और तुलनात्मक निष्कर्ष प्रस्तुत किया गया है।

तृतीय अध्याय में सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' और सुमित्रानंदन पंत की काव्यगत अनुभूतियों का विचार किया गया है। इसमें प्रेमानुभूति, राष्ट्रप्रेमानुभूति, भारत में आस्था, मानव में आस्था, भक्तिभावना आदि से सर्वांधित अनुभूतियों को उद्घाटित करते हुए तुलनात्मक निष्कर्ष प्रस्तुत किया गया है।

चतुर्थ अध्याय में सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' और सुमित्रानंदन पंत के काव्य में दार्शनिक चिंतन से संबंधित है। अपने जीवन में स्वयं भोगे दुखों और मानव के दुख-संत्रासों से संतप्त निराला तथा मानव उन्नयन के लिए चिंतनशील पंत। दोनों कवियों ने दुखों से मानव की मुक्ति तथा उन्नत मानव जीवन के लिए अन्यान्य दर्शनों का आश्रय लिया है। निराला और पंत दोनों कवियों पर अन्यान्य दर्शनों के प्रभाव को तुलनात्मक रूप से प्रस्तुत किया गया है।

पंचम अध्याय सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' और सुमित्रानंदन पंत के काव्य में सामाजिक चिंतन को प्रस्तुत किया गया है। दोनों कवियों का ग्रामीण चिंतन, नगरीय चिंतन, जातीयता और वर्ण व्यवस्था का चिंतन, दीन-दलित चिंतन, प्रथाएँ, रीति-रिवाज का चिंतन, नारी विषयक सामाजिक चिंतन को प्रस्तुत करते हुए दोनों कवियों के सामाजिक चिंतन की विशिष्टताओं तथा साम्य वैषम्य को अंकित किया गया है।

उपसंहार में विभिन्न अध्यायों में प्रस्तुत तुलना के अन्यान्य आधारों पर जो समानताएँ और विभिन्नताएँ अंकित की गयी हैं उनका समग्र विचार प्रस्तुत किया गया है।

– डॉ. कुलकर्णी वनिता बाबुराव

PRINCIPAL
Late Ramesh Warpudkar (ACS)
College, Sonpeth Dist. Parbhani

डॉ. वनिता बाबुराव कुलकर्णी

जन्म : 02.09.1971

माता : श्रीमती प्रभावती देवी बाबुराव कुलकर्णी

पिता : श्री बाबुराव रामराव कुलकर्णी

शिक्षा : एम. ए. हिन्दी, बी. एड., पी-एच. डी., स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड (महाराष्ट्र)

शोध : निराला और पंत के काव्य का तुलनात्मक अध्ययन

अनेक साहित्यिक, समीक्षात्मक, राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

सम्मान :
- आदर्श शिक्षक पुरस्कार, सोनपेठ
- रोटरी क्लब लायन्स, सोनपेठ
- आदर्श शिक्षक रोटरी क्लब, सोनपेठ
- लेखक प्रेमचंद अंतर्राष्ट्रीय साहित्य पुरस्कार

सम्प्रति : हिन्दी विभाग, कै. रमेश वरपुडकर महाविद्यालय, सोनपेठ, परभणी (महाराष्ट्र)

निवास : 'सर्वेश निवास', राजेभाऊ कदम नगर, परली रोड, सोनपेठ, परभणी-431516 (महाराष्ट्र)

दूरभाष : 9423138878

SHRIRAM PRAKASHAN

G-398, Gujaini, Kanpur-208022
Mo. : 9453286002, 9450438469

ISBN : 978-93-85652-32-5

₹ 820.00